एम. ए. (छत्तीसगढ़ी)

Semester wise distribution of Courses and Credits
2019-'20

1. M. A. I Semester Chhattisgarhi

Course Code	Title of Paper	Marks		Credits
		Theory	Internal	
01.	छत्तीसगढ़ी के भौगोलिक अउ ऐतिहासिक पृष्ठभूमि	80	20	05
02.	छत्तीसगढ़ी के ध्वनि–संरचना	80	20	05
03.	छत्तीसगढ़ी के व्याकरण	80	20	05
04.	छत्तीसगढ़ी साहित्य के इतिहास	80	20	05
05.	संगोष्ठी /आंतरिक मूल्यांकन			02
	Total			**22**

2. M. A. II Semester Chhattisgarhi

Course Code	Title of Paper	Marks		Credits
		Theory	Internal	
01.	छत्तीसगढ़ी के लोक–कला अउ संस्कृति	80	20	05
02.	छत्तीसगढ़ी लोक साहित्य	80	20	05
03.	छत्तीसगढ़ी–काव्य	80	20	05
04.	छत्तीसगढ़ी अर्थ–मीमांसा	80	20	05
05.	संगोष्ठी/आंतरिक मूल्यांकन			02
	Total			**22**

3. M. A. III Semester Chhattisgarhi

Course Code	Title of Paper	Marks		Credits
		Theory	Internal	
01.	छत्तीसगढ़ी के शब्द–संरचना	80	20	05
02.	छत्तीसगढ़ी के भाषा–भूगोल	80	20	05
03.	प्रयोजन मूलक छत्तीसगढ़ी	80	20	05
04.	राजभाषा छत्तीसगढ़ी	80	20	05
05.	संगोष्ठी/आंतरिक मूल्यांकन			02
	Total			**22**

4. M. A. IV Semester Chhattisgarhi

Course Code	Title of Paper	Marks		Credits
		Theory	Internal	
01.	छत्तीसगढ़ी के वाक्य–संरचना	80	20	05
02.	छत्तीसगढ़ी अउ अनुवाद	80	20	05
03.	छत्तीसगढ़ी के तीज तिहार अउ परंपरा	80	20	05
04.	प्रायोगिक प्रशिक्षण अउ आंतरिक–मूल्यांकन	80	20	05
05.	संगोष्ठी/आंतरिक मूल्यांकन			02
	Total			22

HEAD
SoS in Lit. & Languages
Pt. Ravishankar Shukla University
Raipur (C. G.)

1. एम. ए. छत्तीसगढ़ी पाठ्यक्रम म कुल 16 प्रश्न पत्र हावय। हरेक सेमेस्टर म चार प्रश्न पत्र रखे गे हे।
2. हरेक सेमेस्टर म 22 कैडिट अनिवार्य रूप ले रखे गे हे।
3. हरेक प्रश्न पत्र म 80 अंक रखे गे हे।
4. हरेक प्रश्न पत्र म 20 अंक के आंतरिक मूल्यांकन या संगोष्ठी पाठ्यक्रम म शामिल करे गे हे।

HEAD
SoS in Lit. & Languages
Ravishankar Shukla University
Raipur (C. G.)

एम. ए. (छत्तीसगढ़ी) : पहला सेमेस्टर 2019–'20

पहला प्रश्न–पत्र

छत्तीसगढ़ी के भौगोलिक, ऐतिहासिक, अउ भाषिक पृष्ठभूमि

1. छत्तीसगढ़ के भौगोलिक संरचना, इतिहास, नामकरण
2. छत्तीसगढ़ी के उत्पत्ति अउ विकास, संस्कृत, प्राकृत, अपभ्रंश, छत्तीसगढ़ी
3. छत्तीसगढ़ म उपलब्ध भाषा–परिवार – भारतीय आर्य, द्रविड़, आग्नेय, तिब्बती–चीनी
4. छत्तीसगढ़ी के अन्य भाषा मन ले संबंध – छत्तीसगढ़ी–ओड़िया, छत्तीसगढ़ी–मराठी, छत्तीसगढ़ी–हिंदी, छत्तीसगढ़ी–हलबी / भतरी / मुरिया
5. छत्तीसगढ़ी म अन्य भाषा के आगत–शब्द– हिंदी, ओड़िया, मराठी, अँगरेजी, अरबी–फारसी अन्य

निर्धारित पुस्तक सूची :

1. व्यास नारायण दुबे : छत्तीसगढ़ी जनभाषा
2. कांति कुमार : छत्तीसगढ़ी बोली व्याकरण और कोश
3. भालचंद्र राव तैलंग : छत्तीसगढ़ी, हलबी और भतरी बोलियों का भाषा वैज्ञानिक अध्ययन
4. नरेन्द्र देव वर्मा : छत्तीसगढ़ी का उद्विकास
5. हीरालाल शुक्ल : छत्तीसगढ़ ज्ञानकोश
6. चित्तरंजन कर : छत्तीसगढ़ की भाषाएँ

HEAD
SoS In Lit. & Languages
Ravishankar Shukla University
Raipur (C. G.)

दूसरा प्रश्न पत्र

छत्तीसगढ़ी के ध्वनि–संरचना

1. छत्तीसगढ़ी ध्वनि–स्वर, व्यंजन, संध्यक्षर, स्वर–संयोग, संयुक्त व्यंजन
2. छत्तीसगढ़ी स्वर के वर्गीकरण
3. छत्तीसगढ़ी व्यंजन के वर्गीकरण
4. छत्तीसगढ़ी के ध्वनिगुण–मात्रा, बलाघात, अनुतान
5. अंतरराष्ट्रीय ध्वनिलिपि माला के परिचय अउ ओकर प्रयोग

निर्धारित पुस्तक सूची :

1. गोलोक बिहारी धल : ध्वनि–विज्ञान
2. शंकर शेष : छत्तीसगढ़ी का भाषाशास्त्री अध्ययन
3. हीरालाल काव्योपाध्याय : ए ग्रामर आफ छत्तीसगढ़ी डायलेक्ट
4. नरेंद्र देव वर्मा : छत्तीसगढ़ी भाषा का उद्‌विकास
5. कौस्तुभ मणि द्विवेदी : सुघड़ छत्तीसगढ़ी भाषा

HEAD
SoS in Lit. & Languages
Pt. Ravishankar Shukla University
Raipur (C. G.)

तीसरा प्रश्न–पत्र

छत्तीसगढ़ी के व्याकरण

1. छत्तीसगढ़ी के शब्द–भेद – संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया, अव्यय, (क्रियाविशेषण, समुच्चयबोधक, संबंधसूचक, विस्मयादिबोधक)

2. व्याकरणिक कोटि– पुरुष, लिंग, वचन, कारक काल, पक्ष, वाच्य, अउ वृति

3. विभक्ति अउ कारक रचना – कर्त्ता, कर्म, करण, आदि

4. वाक्य–संरचना – मूल वाक्य– साँचा–
   1. संरचना के आधार पर – सरल, संयुक्त, मिश्र, अपूर्ण, निविष्ट
   2. अर्थ के आधार पर – निश्चयात्मक, निषेधात्मक, प्रश्नात्मक, संभावनात्मक, आज्ञासूचक, आश्चर्यबोधक आदि।

5.वाक्य–रचना के अशुद्धि – वर्तनी–संबंधी, शब्द–संबंधी, व्याकरण–संबंधी

निर्धारित पुस्तक सूची :–

1. चंद्रकुमार चंद्राकर : मानक छत्तीसगढ़ी व्याकरण
2. रमेशचंद्र महरोत्रा एवं अन्य : मानक छत्तीसगढ़ी का सुलभ व्याकरण
3. कांति कुमार : छत्तीसगढ़ी बोली व्याकरण और कोश
4. नरेन्द्र देव वर्मा : छत्तीसगढ़ी भाषा का उद्‌विकास
5. चितरंजन कर : छत्तीसगढ़ी की व्याकरणिक–कोटियाँ
6. रमेन्द्रनाथ मिश्र (सं) : छत्तीसगढ़ी व्याकरण (छत्तीसगढ़, राज्य हिंदी ग्रंथ अकादमी)
7. विनय कुमार पाठक एवं विनोद कुमार वर्मा : छत्तीसगढ़ी का सम्पूर्ण व्याकरण

HEAD
SoS in Lit. & Languages
Pt. Ravishankar Shukla University
Raipur (C. G.)

चौथा प्रश्न पत्र

छत्तीसगढ़ी साहित्य के इतिहास

1. आदिकालीन काव्य – प्रेम प्रधान गाथाएँ, धार्मिक अउ पौराणिक गाथाएँ
   (गाथा युग) राम और कृष्ण काव्य, वीर गाथा – अहिरन रानी, रेवा रानी फुलबासन, आदि

2. मध्यकालीन काव्य – वीरगाथाएँ, धार्मिक अउ सामाजिक गीत
   सुंदर लाल शर्मा – दानलीला
   मुकुटधर पांडे – मेघदूत
3. आधुनिक युग (प्रारंभिक काल) : पद्य साहित्यकार– मुकुटधर पाण्डेय, सुंदर लाल शर्मा, हरि ठाकुर, दानेश्वर शर्मा, द्वारिका प्रसाद तिवारी, कोदूराम दलित, पवन दीवान, श्यामलाल चतुर्वेदी,
4. आधुनिक युग के गद्य साहित्यकार – मोंगरा (शिवशंकर), चंदा अमारित बरसाइस (लखन लाल गुप्त), कुल के मरजाद (केयूरभूषण), परदेसी राम वर्मा (आवा)

   कहानी – केयूर भूषण(आँसू म फिले अचरा), बिहारी लाल साहू (सुरुज पोटारिस अँधियार), सत्यभामा आडिल (सीख–सीख के गोठ)
5. नाटक – खूबचंद बघेल (करमछड़हा), नंदकिशोर तिवारी (परेमा)
   निबंध – लखन लाल गुप्त (सोन–पान)

निर्धारित पुस्तक सूची :–
1. शंकुतला वर्मा : छत्तीसगढ़ी लोक–जीवन और लोक–साहित्य का अध्ययन
2. दयाशंकर शुक्ल : छत्तीसगढ़ी लोक–साहित्य का अध्ययन
3. प्यारेलाल गुप्त : प्राचीन छत्तीसगढ़
4. नंदकिशोर तिवारी : छत्तीसगढ़ी साहित्य का ऐतिहासिक अध्ययन
5. बिहारी लाल साहू : छत्तीसगढ़ी साहित्य और भाषा
6. ऋषिराज पाण्डेय : पं. सुंदरलाल शर्मा व्यक्तित्व एवं कृतित्व

HEAD
S.S in Lit. & Languages
Pt. Ravishankar Shukla University
Raipur (C. G.)

एम. ए. (छत्तीसगढ़ी) : दूसरा सेमेस्टर 2019–'20

पाँचवा प्रश्न–पत्र

छत्तीसगढ़ी लोक कला अउ संस्कृति

1. छत्तीसगढ़ी लोककला : उद्भव अउ विकास; लोककला अउ कलाकार (रामचंद्र देशमुख, महासिंह चंद्राकर, दुलार सिंह,)

2. छत्तीसगढ़ के जनजातीय संस्कृति (सरहुल, करमा, मुड़िया नृत्य, माड़िया नृत्य, गोंडी, हलबी, दोरला के संदर्भ म)

3. छत्तीसगढ़ के लोकनाट्य – गम्मत, रहस, नाचा के परिचय

4. लोककला (लोकगाथा) – पंडवानी, भरथरी(झाडूराम देवांगन, देवदास बंजारे, तीजनबाई, सूरजबाई खांडे आदि)

5. राउतनाचा, सुआ नृत्य, चंदैनी, ददरिया, पंथीनृत्य, करमा, लोकनृत्य के संक्षिप्त परिचय

निर्धारित पुस्तक सूची :–

1. बिहारी लाल साहू : छत्तीसगढ़ी लोक साहित्य एवं भाषा
2. नंदकिशोर तिवारी : छत्तीसगढ़ी साहित्य का ऐतिहासिक अध्ययन
3. शंकुतला वर्मा : छत्तीसगढ़ी लोक–जीवन और लोक–साहित्य का अध्ययन
4. दयाशंकर शुक्ल : छत्तीसगढ़ी लोक–साहित्य का अध्ययन
5. बलदेव प्रसाद मिश्र : छत्तीसगढ़ परिचय
6. प्यारे लाल गुप्त : प्राचीन छत्तीसगढ़
7. महावीर अग्रवाल (संपादक) : हमर छत्तीसगढ़

HEAD
S.oS in Lit. & Languages
Pt. Ravishankar Shukla University
Raipur (C. G.)

छठवाँ प्रश्न–पत्र

छत्तीसगढ़ी लोक साहित्य

1. लोक साहित्य– अर्थ, प्रकृति, व्याप्ति
2. गाथा–साहित्य
3. पर्व त्यौहार– हरेली, राखी, पोला–तीजा, नवरात्री, दशहरा, देवार, देवउठनी, अकती आदि
4. संस्कार–गीत, जातीय गीत, नारी गीत
5. खेल गीत, बालगीत
6. लोकोक्ति–पहेली (हाना, बुझौवल), मुहावरा, पहेली

निर्धारित पुस्तक सूची :

1. दयाशंकर शुक्ल : छत्तीसगढ़ी लोकसाहित्य का अध्ययन
2. नारायण लाल परमार : छत्तीसगढ़ी लोकसाहित्य
3. मन्नू लाल यदु : छत्तीसगढ़ लोकोक्तियाँ

HEAD
SoS in Lit. & Language
avishankar Shukla University
... (C. G.)

सातवाँ प्रश्नपत्र

छत्तीसगढ़ी काव्य

1. आधुनिक काव्य – प्यारेलाल गुप्त, हरि ठाकुर , नारायण लाल परमार, नरेंद्र देव वर्मा

2. नवगीतकार एवं उनकी रचना – जीवन यदु, लक्ष्मण मस्तुरिया, पवन दीवान, लाला जगदलपुरी, प्रभंजन शास्त्री, पालेश्वर शर्मा
3. छत्तीसगढ़ी गजल – मुकुंद कौशल (छत्तीसगढ़ी गजल)
4. छत्तीसगढ़ी हाइकू – राजेंद्र सोनी, नरेंद्र वर्मा
5. समकालीन कविता – भगतसिंह सोनी, नंदकिशोर तिवारी, देवदास महंत

निर्धारित पुस्तक सूची :

1. डॉ. बलदेव (संपादक) : छत्तीसगढ़ी कविता के सौ साल
2. महावीर अग्रवाल (संपादक) : हमर छत्तीसगढ़
3. डॉ. चितरंजन कर (संपादक) : छत्तीसगढ़ी गजल और मुकुंद कौशल
4. मदनलाल गुप्त छत्तीसगढ़ की संस्कृति एवं लोक आयाम के विभिन्न स्वरूप

HEAD
SoS In Lit. & Languages
Ravishankar Shukla University
Raipur (C. G.)

आठवाँ प्रश्न–पत्र

छत्तीसगढ़ी अर्थ मीमांसा

1. अर्थ– प्रकृति, व्याप्ति
2. अर्थ–प्रकार – एकार्थी, अनेकार्थी, पर्याय, समनामता,
3. अर्थ निर्धारण– एकार्थी अनेकार्थी
4. अर्थ–परिवर्तन के कारक तत्व व दिशाएँ
5. संकेत–व्यवस्था – वाचिक, सात्विक, आंगिक, आहार्य

निर्धारित पुस्तक सूची :

1. रमेशचंद्र महरोत्रा एवं अन्य : छत्तीसगढ़ी शब्दकोश
2. चंद्रकुमार चंद्राकर : मानक छत्तीसगढ़ी व्याकरण

HEAD
SoS In Lit. & Languages
Ravishankar Shukla University
Raipur (C. G.)

एम. ए. (छत्तीसगढ़ी) : तीसरा सेमेस्टर 2019–'20

नउवाँ प्रश्न पत्र

छत्तीसगढ़ी के शब्द–संरचना

1. शब्द–संपदा – तत्सम, तद्भव, देशज अउ विदेशी शब्द
2. शब्द–संरचना – व्युत्पादक प्रत्यय, तद्धित, समास ,संधि
3. रूप–संरचना – रूपसाधन– संज्ञा, सर्वनाम, क्रिया
4. विशेषण से संज्ञा बनाना, क्रिया से संज्ञा अउ विशेषण बनाना, संज्ञा से क्रिया विशेषण बनाना
5. अनेक शब्द – एक शब्द, समूहवाची शब्द

निर्धारित पुस्तक सूची :–

1. नरेन्द्र देव वर्मा : छत्तीसगढ़ी भाषा का उद्विकास

HEAD
..S in Lit. & Languages
. ravishankar Shukla University
Raipur (C. G.)

दसवाँ प्रश्न–पत्र

छत्तीसगढ़ी के भाषा–भूगोल

1. छत्तीसगढ़ी के भौगोलिक विस्तार, भाषिक परिपार्श्व
2. छत्तीसगढ़ी म विभिन्न भाषामन के प्रयोग, अउ क्षेत्र, भाषा प्रयोग म शैली–भेद अउ सांस्कृतिक–भेद।
3. छत्तीसगढ़ी के क्षेत्रीय रूप– उत्तरी, पूर्वी, केंद्रीय, दक्षिणी, पश्चिमी
4. छत्तीसगढ़ी भाषा के सामाजिक संदर्भ – द्विभाषिकता, पिजिन, क्रियोल, डिग्लोसिया (भाषा द्वैत), कोड़ मिश्रण अउ कोड परिवर्तन।
5. छत्तीसगढ़ी भाषा के भेदक रूप के व्यवहार अउ मानचित्र

निर्धारित पुस्तक सूची :–

1. कैलाश चंद्र भाटिया : भाषा–भूगोल
2. मुरारी लाल उप्रेती : भाषा–सर्वेक्षण
3. उदय नारायण तिवारी : भाषा–शास्त्र की रूपरेखा
4. व्यास नारायण दुबे : छत्तीसगढ़ी जनभाषा
5. रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव : हिंदी का सामाजिक सन्दर्भ

HEAD
SoS In Lit. & Languages
Pt. Ravishankar Shukla University
Raipur (C. G.)

ग्यारवाँ प्रश्न पत्र

प्रायोजन मूलक छत्तीसगढ़ी

1. छत्तीसगढ़ी के विविध रूप – क्षेत्रीय छत्तीसगढ़ी, साहित्यिक छत्तीसगढ़ी, सामान्य छत्तीसगढ़ी, मानक छत्तीसगढ़ी, राजभाषा छत्तीसगढ़ी
2. बोलचाल के छत्तीसगढ़ी– अभिवादन, शिष्टाचार, समय, स्थान, व्यवसाय, बाजार
3. जनसंचार के भाषा – समाचार–पत्र अउ पत्रिका के भाषा, आकाशवाणी टीवी चैनल, फिल्म, विज्ञापन
4. रिश्ते–नाते, संबोधन, रंग–शब्दावली
5. विभिन्न पारिभाषिक शब्दावली, अनुवाद एवं निर्माण अउ विभिन्न विभागों की विशिष्ट पारिभाषिक शब्दावली–रेल, बैंक, डाकविभाग, पुलिस, न्यायालय, मंत्रालय आदि।

<u>निर्धारित पुस्तक सूची :</u>

1. चित्तरंजन कर एवं सुधीर शर्मा – बोलचाल की छत्तीसगढ़ी

HEAD
SoS in Lit. & Languages
Pt. Ravishankar Shukla University
Raipur (C. G.)

बारवाँ प्रश्न–पत्र

राजभाषा छत्तीसगढ़ी

1. राजभाषा छत्तीसगढ़ी के अवधारणा
   संविधान में राजभाषा अधिनियम

2. छत्तीसगढ़ी के मानकीकरण
   अउ, आधुनिकीकरण

3. मानकीकरण : वर्तनी, शब्द, वाक्य

4. कार्यालयीन/प्रशासनिक छत्तीसगढ़ी के प्रयुक्ति
   वाणिज्य, ब्यापार, रेल, बैंक, विधि, विज्ञापन, यातायात, आदि।
   पत्र–व्यवहार– व्यक्तिगत, कार्यालयीन, आदेश, निर्देश, स्मरण–पत्र

5. सामाजिक स्तर–भेद के आधार पर छत्तीसगढ़ी–शिक्षा, प्रशासनिक, धर्म, अउ समाज, आदि।

निर्धारित पुस्तक सूची :

1. सुधीर शर्मा : राजभाषा छत्तीसगढ़ी
2. कैलाश नाथ पाण्डेय : प्रयोजनमूलक हिन्दी की नयी भूमिका
3. कृष्ण कुमार गोस्वामी : प्रयोजनमूलक भाषा और कार्यालयी हिन्दी

HEAD
SoS in Lit. & Languages
Pt. Ravishankar Shukla University
Raipur (C. G.)

एम. ए. (छत्तीसगढ़ी) : चौथा सेमेस्टर 2019–'20

तेरहवाँ प्रश्न–पत्र

छत्तीसगढ़ी के वाक्य संरचना

1. वाक्य–संरचना के प्रकार – सरल, मिश्र और संयुक्त वाक्य, अपूर्ण, निविष्ट
2. छत्तीसगढ़ी के वाक्य अउ उपवाक्य – संज्ञा उपवाक्य, विशेषण उपवाक्य, क्रिया विशेषण उपवाक्य
3. पदबंध–संरचना अउ पदक्रम – संज्ञा–पदबंध, सर्वनाम–पदबंध, विशेषण–पदबंध, क्रिया–पदबंध, क्रिया विशेषण–पदबंध
4. छत्तीसगढ़ी शब्द/वाक्य म अशुद्धि अउ निराकरण
5. छत्तीसगढ़ी म विराम–चिह्न के प्रयोग

निर्धारित पुस्तक सूची :–

1. भोलानाथ तिवारी : वाक्य विज्ञान
2. सूरज भान सिंह : हिंदी का वाक्यात्मक व्याकरण
3. विनय कुमार पाठक एवं विनोद कुमार वर्मा : छत्तीसगढ़ी का सम्पूर्ण व्याकरण

HEAD
SoS In Lit. & Languages
Ravishankar Shukla University
Raipur (C. G.)

चौदवाँ प्रश्न पत्र

छत्तीसगढ़ी अउ अनुवाद

1. अनुवाद के परिभाषा, उद्देश्य एवं महत्व और प्रकार, अनुवाद सिद्धान्त
2. अनुवाद के आधार – सफल अनुवादक के गुन, अनुवाद के भाषा–शैली
3. छत्तीसगढ़ी ले हिंदी अनुवाद (पद्यांश/गद्यांश, पाठ)
4. हिंदी ले छत्तीसगढ़ी अनुवाद (पद्यांश/गद्यांश, पाठ)
5. छत्तीसगढ़ी अनुवाद (स्वेच्छा से)– हलबी, भतरी, गोंडी,

निर्धारित पुस्तक सूची :–

1. सुरेश कुमार : अनुवाद : सिद्धान्त की रूपरेखा
2. परदेसी राम वर्मा : हमर प्रेमचंद (छत्तीसगढ म प्रेमचंद के कहिनी)

HEAD
SoS in Lit. & Languages
Ravishankar Shukla University
Raipur (C. G.)

पंद्रवाँ प्रश्न–पत्र

छत्तीसगढ़ के तीज–तिहार अउ परंपरा

1. छत्तीसगढ़ के लोक–जीवन, धार्मिक पर्व अउ ओखर सामाजिक महत्व
2. छत्तीसगढ़ी लोकसंस्कृति – लोक संस्कृति – स्वरूप, महत्व
3. छत्तीसगढ़ी वस्त्र आभूषण अउ व्यंजन
4. छत्तीसगढ़ के तीज–तिहार – अक्ती, हरेली, राखी, खमरछठ, पोला तीजा, नवरात्रि, दशहरा, देवारी, अउ होरी आदि
5. छत्तीसगढ़ के लोक चित्रकला – चौक, सदनाही, आटे कन्हैया, हरितालिका, गोबर चित्रकला, घर सिंगार, विवाह चित्र, अउ गोदना आदि।

निर्धारित पुस्तक सूची :–

1. दयाशंकर शुक्ल : छत्तीसगढ़ी लोकसाहित्य का अध्ययन
2. अनुसूया अग्रवाल : छत्तीसगढ़ के तीज–तिहार अउ कथा कहनी

HEAD
SoS in Lit. & Languages
Ravishankar Shukla University
Raipur (C. G.)

सोलवाँ प्रश्न–पत्र

प्रायोगिक प्रशिक्षण अउ आंतरिक मूल्यांकन

1. जनजाति भाषा अउ ओखर संस्कृति
2. छत्तीसगढ़ी व्यावसायिक (कृषि, कुम्हार, लोहार, सुनार, आदि)शब्दावली के संकलन
3. कोनो पद्य के छत्तीसगढ़ी अनुवाद
4. कोनो गद्य के छत्तीसगढ़ी अनुवाद
5. छत्तीसगढ़ के लोक साहित्य अउ प्रचलित सब्द के संकलन
6. छत्तीसगढ़ की जनजाति मन के परिचय
7. छत्तीसगढ़ की जनजाति मन के संस्कृति

निर्धारित पुस्तक सूची

1. कांति कुमार : छत्तीसगढ़ी; व्याकरण बोली और कोश
2. भारतीय जनजातियाँ : हरिश्चन्द्र उप्रेती
3. शंकर शेष : छत्तीसगढ़ी का भाषाशास्त्री अध्ययन
4. भारत की जनजातियाँ : शिवतोष दास
5. गिरजाशंकर गौतम : शोध प्रविधि और कंप्यूटर
6. मानव और संस्कृति (सांस्कृतिक मानवविज्ञान की परिचयात्मक रूपरेखा) : श्यामाचरण दुबे

HEAD
SoS In Lit. & Languages
Ravishankar Shukla University
Raipur (C. G.)